an>

title: Need to provide international level sports facilities and training programmes to sports persons qualified for olympics.

श्रीमती अनुप्रिया पटेल (मिर्ज़ापुर): माननीय अध्यक्ष जी, 18 अप्रैल, 2016 को त्रिपुरा की बेटी दीपा कर्माकर बेहद कड़े मुकाबले में 52.6 अंक पाकर ओलम्पिक्स के लिए क्वालिफाई करने वाली पहली भारतीय महिला जिम्नास्ट बनी हैं। यह उपलब्धि इस दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण, गौरवशाली और ऐतिहासिक है क्योंकि 52 साल बाद किसी भारतीय महिला ने ओलम्पिक्स के लिए क्वालिफाई किया है। पूरे देश में उन्माद का माहौल है, विशेषकर देश की आधी आबादी में। लेकिन इस तमाम हर्षोल्लास के बीच हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि सारी उपलब्धि किसी खिलाड़ी के स्वयं कड़े परिश्रम, सतत अभ्यास और अटूट जज्बे का परिणाम है। इसमें हमारी सरकार और खेल संघों से मिलने वाले प्रोत्साहन की भूमिका लगभग शून्य है। इस दृष्टि से यह बहुत बड़ा विचारणीय प्रश्न है कि दुनिया के तमाम देशों में विभिन्न खेलों से जुड़े खिलाड़ियों को नीतिगत और सुव्यवस्थित ढंग से बहुत प्रोत्साहन सरकार की ओर से दिया जाता है लेकिन भारत में ऐसा नहीं हो पाता है। भारत में ऐसा नहीं हो पाता है। हमारे देश में क्रिकेट को बहुत महत्व दिया जाता है और क्रिकेट के लिए बहुत सारी वित्तीय सुविधाएं और प्रोत्साहन उपलब्ध हैं लेकिन बाकी तमाम खेलों के लिए विशेष दृष्टि नहीं रखी जाती है। विशेषकर जिमनास्टिक्स में जो अपेक्षित पोषण है उसके अभाव में आज भी खिलाड़ियों को बहुत संघर्ष करना पड़ता है। इस दृष्टि से दीपा करमाकर की उपलब्धि बहुत महत्वपूर्ण है। इस खेल में ओलम्पिक की नुमाइंदगी के इसलिए भी बहुत मायने हैं क्योंकि यह एक ऐसा खेल है जिसके नियम आज भी लोगों को मालूम नहीं हैं।

महोदया, मेरा सरकार से और मंत्री जी से अनुरोध है कि भारत की यशस्वी बेटी दीपा करमाकर को समय से विश्व स्तरीय सुविधाएं और उचित प्रशिक्षण मुहैया कराया जाए, जिससे त्रिपुरा की भारत की बेटी ओलम्पिक में पदक जीतकर देश का गौरव और सम्मान बढ़ा सके और देश की आधी आबादी का भी सम्मान बढ़ा सके।

SHRI JITENDRA CHAUDHURY (TRIPURA EAST): Madam, I want to associate. ...(*Interruptions*)

HON. SPEAKER: Yes, you can associate.

...(*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष :

श्री मोहम्मद बदरुद्दोज़ा खान,

श्रीमती मीनाक्षी लेखी,

कुंवर पुष्पेंद्र सिंह चंदेल,

श्री सुधीर गुप्ता,

श्री रोड़मल नागर और

श्री भैरों प्रसाद मिश्र को श्रीमती अनुप्रिया पटेल द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।